ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-५०
दिनांक- शुक्रवार, १३ जुलाई, २०१८

टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६

## विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३५.० एवं २४.८ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८८ सुबह में एवं दोपहर में ६८ प्रतिशत, हवा की औसत गति ४.३ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ५.६ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ७.५ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २६.१ एवं दोपहर में ३४.४ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। पूसा मौसमीय वेद्यशाला में १५.० मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

## मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
### (१४ से १८ जुलाई, २०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी १४ से १८ जुलाई, २०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- उत्तर बिहार के तराई एवं मैदानी भागों के जिलों में अगले तीन-चार दिनों तक मानसून के कमजोर बने रहने का अनुमान है। इस अवधि में कहीं-कहीं हल्की वर्षा होने की संभावना है।
- अधिकतम तापमान ३५ से ३६ डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है, जबकि न्यूनतम तापमान २६ से २८ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।
- औसतन १० से १५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूर्वानुमान की अवधि में पूरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ८५ से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ५० से ५५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

## समसामयिक सुझाव

- उचॅास जमीन में अरहर की बुआई करें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर २० किलो नेत्रजन, ४५ किलो स्फुर एवं २० किलो पोटाश तथा २० किलो सल्फर का व्यवहार करें। करें। बहार, पूसा ९, नरेद्र अरहर १, मालवीय-१३, राजेन्द्र अरहर-१ आदि किस्में बुआई के लिए अनुशसित है। बुआई के २४ घंटे पूर्व २.५ ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए। पक्ति से पक्ति की दूरी ६० से०मी० रखें । बीज दर १८ से २० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें
- आम का साटा तथा लीची, अमरूद एवं नींबू की गूटी तैयार करें। पहले से तैयाार गढ़ों में फलदार एवं वानिकी पौधों को लगाने का कार्य करें।
- खेत की जुताई में गोबर की खाद/कम्पोस्ट का अधिक से अधिक प्रयोग करें। यह भूमि की जलधारण क्षमता एवं पोषक तत्व की मात्रा बढ़ाती है। मिट्टी जाँच के बाद संतुलित मात्रा में उर्वरक का प्रयोग करें, विशेष तौर पर पोटाश की मात्रा बढ़ायें। ताकि फसल की सुखें से लड़ने की क्षमता बढ़ सके।
- केला की रोपाई करें। उत्तर बिहार में **लम्बी किस्मों** के लिए *अलपान, चम्पा, कंथाली, मालभोग, चिनियाँ,* शक्कर चिनियाँ, फिआ-२३ तथा बौनी एवं खाने वाली किस्मों के लिए ग्रैडनेन, रोबस्टा, बसराई, फिआ-१ अनुशंसित है। सब्जी वाली किस्में बतीसा, सावा, बनकेल, कचकेल, फिआ-३ तथा सब्जी एवं फल दोनों में उपयोग आने वाली किस्में *कोठियाँ, मुठियाँ, दुधसागर एवं चकिया* अनुशंसित है। लम्बी जातियों में पौधा से पौधा की दुरी २.० मीटर है एवं बौनी जातियों में १.५ मीटर रखें।
- तिल, उरद, बरसाती सब्जियाँ जैसे- भिंडी, लौकी, नेनुआ, करैला, खीरा, आदि फसलों की बुआई करें।
- पशुओं में खुरपका - मुँहपका रोग के लक्षण दिखाई दे रहे हों तो इसके बचाव हेतु पशुओं के मुँह को फिटकरी या पोटाश के घोल तथा खुर को फिनाईल से धोवें। अगर टीकाकरण नहीं हुआ हो तो पशु चिकित्सक की सलाह से टीकाकरण अवश्य करा लें। पशुओ के निवास स्थान की साफ-सफाई करते रहे।

| | |
|---|---|
| आज का अधिकतम तापमानः ३५.२ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से २.५ अधिक | आज का न्यूनतम तापमानः २७.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.८ अधिक |

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी